पशुपालन को बनाया आय का मुख्य स्रोत

पशुपालक का नाम	:	श्री जयंतीलाल
पिता का नाम	:	श्री चतरा राम
उम्र	:	35 वर्ष
पता	:	पंचायत कैलाश नगर, शिवगंज (सिरोही)
शिक्षा	:	9वीं पास
मोबाईल नं.	:	9928274801

सिरोही के जयंतीलाल ने 2018 मे छोटे स्तर पर डेयरी व्यवसाय की शुरुआत की वर्तमान में इनके पास कुल 17 छोटे और बड़े पशु है जिसमे 10 साहीवाल नस्ल की गाय व 7 छोटी बछड़ी हैं। पशु विज्ञान केन्द्र, सिरोही के वैज्ञानिकों की सलाह में यह साहीवाल नस्ल की गाय व छोटी बछड़ी का वैज्ञानिक तरीके से पालन कर रहे हैं। जयंतीलाल का कहना है जब पशु विज्ञान केंद्र से संपर्क हुआ तब इनको पशुपालन से अधिक से अधिक मुनाफा कैसे कमा सकते हैं यह ज्ञान हुआ इसके लिए इन्होंने प्रत्येक पशु का अलग से कैलेंडर बना रखा है, जिसमें प्रतिदिन का भरण पोषण व बीमारी की अवस्था में होने वाला खर्चा यह नोट करते रहते हैं। इससे उनको फायदा यह होता है कि पशुपालन में कहां पर गलती हो रही है इसको ठीक किया जा सके। साथ ही जयंतीलाल परंपरागत तरीके से इलाज के विभिन्न तरीके भी पशु विज्ञान केंद्र, सिरोही के माध्यम से काम में लेते रहते हैं। पशु विज्ञान के केंद्र, सिरोही की वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार इन्होंने पशु बाड़े के पास में छोटी सी बंजर भूमि पर सेवण व नेपियर घास लगा रखी है जिससे इनके पशु के लिए हरे चारे की उपलब्धता वर्ष भर बनी रहती है। इनके यहां प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन 55 से 60 लीटर होता है जिससे यह प्रतिदिन 2600 से लेकर 2800 रुपए कमा लेते हैं और पशुपालन से इनकी सालाना कमाई 7 लाख रुपये तक है। इनका कहना है कि अगर युवा पशुपालक पशुपालन का काम करते है तो वह इस नई तकनीकी के माध्यम से पशुपालन के नए–नए आयाम, नई तकनीकी को मोबाइल के माध्यम से देखकर, सुनकर सीख सकते है। इनका कहना है कि खेती के साथ–साथ पशुपालन बहुत आवश्यक है। पशुपालन को कैसे किया जाए इसके लिए जागरूकता फैलाने का काम पशु विज्ञान के केन्द्र अच्छे से कर रहे हैं। जयंतीलाल का कहना है की अगर पशुपालन में युवा लोग रूचि रखे तो वह इस क्षेत्र में अच्छा पैसा कमा सकते हैं।

पशुपालन क्षेत्र में महिलाओं के लिए प्रेरणा पुंज सूरज कंवर

पशुपालक का नाम	:	श्रीमती सूरज कंवर देवड़ा
पत्नी	:	श्री समुंदर सिंह
उम्र	:	43 वर्ष
पता	:	मानगढ़, (मंडवाड़ा) उड़ (सिरोही)
शिक्षा	:	8वीं पास
मोबाईल नं.	:	9909703945

सिरोही की सूरज कंवर काफी वर्षों से अपने परिवार के साथ कृषि का काम भी देख रही है। उस समय इन के पास एक भैंस थी जिसका दूध घर के उपयोग के उद्देश्य से रखते थे। 2017 में जब पशु विज्ञान केंद्र, सिरोही द्वारा गांव में आयोजित ऑफ कैम्पस ट्रेनिंग में इनका पशु विज्ञान केंद्र, सिरोही के वैज्ञानिकों से मिलना हुआ उनकी सलाह के अनुसार पशुपालन को मुख्य व्यवसाय मानकर इन्होंने एक छोटे स्तर पर डेयरी व्यवसाय की शुरुआत की। वर्तमान में इनके पास कुल 25 छोटे और बड़े पशु हैं जिनमें 10 भैंस, 5 पाड़ी एक पाड़ा व 10 देशी और विदेशी नस्ल की गाय छोटे व बड़े पशु हैं साथ ही 5 सिरोही नस्ल की बकरियां हैं व एक घोड़ी, 30 मुर्गियां हैं जिनमें से एक जोड़ा असील, कड़कनाथ व शेष देशी मुर्गियां हैं जिससे प्रतिवर्ष 1800 अंडे प्राप्त होते हैं। मार्केट में एक अंडा 25 से 40 रूपये तक बिकता है जिससे यह सालाना 45000 से 70000 रूपये कमा लेते हैं। पिछले वर्ष इन्होंने पशु चारे के रूप में दो यूनिट अजोला व 15 पेड़ सहजन जिसे मोरिंगा भी कहते हैं अपने बाड़े के पास लगा रखे हैं। वर्तमान में इनके पास भैंस मुर्रा नस्ल, देशी गाय में गिर, कांकरेज व एचएफ तथा बकरी की सिरोही नस्ल है जिनका पालन वैज्ञानिक तरीके से कर रहे हैं। वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार भविष्य में ये ऑर्गेनिक डेयरी व बैकयार्ड मुर्गी पालन को भी और बड़ा करना चाहते हैं। वर्तमान में सूरज कंवर प्रतिमाह 60,000 दूध से कमा लेती हैं इसके साथ ही प्रति वर्ष गाय व भैंस के छोटे मादा पशुओं को बेचकर 40000 से 50000 रूपये कमा लेते हैं। वर्तमान में इनके पास एक साल का पाड़ा है जिस पर यह वैज्ञानिक तरीके से काफी ध्यान दे रहे हैं और इसको नस्ल सुधार के लिए तैयार कर रहे हैं। सूरज कंवर व इनके पति समुंदर सिंह पशु विज्ञान केंद्र, सिरोही द्वारा आयोजित पशुपालक प्रशिक्षण शिविरों में निरंतर भाग लेकर पशुपालन के नए–नए आयाम व वैज्ञानिक तौर–तरीके अपनाते रहते हैं। सूरज कंवर पशुपालक के रूप में युवा पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। इनका कहना है कि खेती को स्वस्थ रखने के लिए पशुपालन बहुत आवश्यक है क्योंकि दोनों ही तरफ से आर्थिक फायदा होता है।

वैज्ञानिक तरीकों से डेयरी फार्मिंग में सफल हुए भरत सिंह

पशुपालक का नाम	:	श्री भरत सिंह
पत्नी	:	श्री भंवर सिंह देवड़ा
उम्र	:	39 वर्ष
पता	:	अणगौर (सिरोही)
शिक्षा	:	10वीं पास
मोबाईल नं.	:	9982899028

डेयरी व्यवसाय को अपनी आय का स्रोत बनाकर सफल हुए सिरोही जिले के छोटे से अणगौर गांव के निवासी भरत सिंह पशुपालकों के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। भरत सिंह परंपरागत रूप से खेतीबाड़ी तथा पशुपालन से जुड़े थे, लेकिन 2017 से ही पशु विज्ञान केंद्र सिरोही के वैज्ञानिकों के सम्पर्क में आने के बाद वैज्ञानिक तरीकों से डेयरी फार्मिंग प्रारम्भ किया तथा उन्होंने 5 भैंस और 4 गायों से गाँव में ही डेयरी फार्म शुरु किया। आज वर्तमान में उनके पास कुल छोटे बड़े 70 पशु है जिसमें 35 भैंसें मुर्रा नस्ल, 10 सुरती नस्ल की भैंसें, 15 क्रॉस ब्रीड नस्ल की गाय तथा 10 बछड़े बछड़ियो का डेयरी फार्म संचालित कर रहे हैं जिससे प्रतिदिन लगभग 170 लीटर से अधिक दूध उत्पादन कर रहे हैं। 50 मुर्गियों से बैकयार्ड पॉल्ट्री फार्मिंग भी शुरू किया है। इन सब से ये लगभग 6 से 8 लाख प्रतिवर्ष मुनाफा कमा रहे है। इस सफलता को देखकर आस पास के किसान प्रेरित होकर पशुपालन को आज एक व्यवसाय के रूप मे देखने लगे है। भरत सिंह का कहना है कि पशुपालन को वैज्ञानिक तरीके, पशु चिकित्सकों की सलाह तथा पशु वैज्ञानिकों के लगातार संपर्क में रहकर पशुपालन की देखभाल की जाए तो ज्यादा मुनाफा कमाया जा सकता है। पशु विज्ञान केंद्र, सिरोही के वैज्ञानिकों द्वारा समय समय पर पशुपालन के नए नवाचारों तथा नई तकनीकों के बारे मे आयोजित प्रशिक्षणों तथा मोबाईल के माध्यम से भी ये जानकारी लेते रहते हैं इसके साथ ही आयोजित प्रशिक्षणों मे पशुओं का टीकाकरण, उनकी उचित देखभाल, पशुओं मे बांझपन निवारण, संतुलित पशु आहार, अजोला, साईलेज तथा हे बनाने की विधियों के बारे में समझाया जाता है, जिससे क्षेत्र के सभी पशुपालको को पशु विज्ञान केन्द्र सिरोही से फायदा मिल रहा है।

हंसमुख डेयरी- सफलता और गुणवत्ता की पहचान

पशुपालक का नाम	:	श्री जैसाराम कलबी
पत्नी	:	श्री धनाराम जी
उम्र	:	29 वर्ष
पता	:	रेवदर (सिरोही)
शिक्षा	:	12वीं पास
मोबाईल नं.	:	9782834491

जैसाराम 12वीं क्लास पास करने के बाद 20 साल की उम्र में दिल्ली जॉब करने चले गए। वहां उन्होंने 8 साल नौकरी की। दिल्ली में दूध की अच्छी कीमतों को देखकर उनको खुद का बिजनेस शुरू करने का मन हुआ। 2020 में वह वापस अपने गांव आ गए। सन 2020 में उन्होंने दो मुर्रा नस्ल की भैंसों से डेयरी की शुरुआत की। इनके पास 60 बीघा जमीन है। ये पशु विज्ञान केंद्र, सिरोही के विषय विशेषज्ञों से लगातार वैज्ञानिक जानकारियां लेते रहते है तथा केंद्र द्वारा आयोजित ट्रेनिंग कैंप में भी आते रहते हैं। पशुपालन से संबंधित जो भी संगोष्ठी होती हैं, जो भी सरकार की स्कीम होती हैं, इनको भी ज्यादा से ज्यादा फायदा लेने की कोशिश करते रहते हैं। वर्तमान में इनका प्रतिदिन दूध का उत्पादन 65 लीटर से 75 लीटर है जिससे यह मासिक 80000 से 90000 कमा लेते हैं। इनका कहना है कि लोग सरकारी नौकरी के चक्कर में बहुत सारा समय बर्बाद कर देते हैं उसमें भी सफलता बहुत कम लोगों के मिलती है इसकी बजाय अगर लोग डेयरी सेक्टर में अच्छे से और ईमानदारी से काम करें तो उसमें अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं और खुद का बड़ा बिजनेस खड़ा कर सकते हैं! वर्तमान में इनके पास जो 60 बीघा खेत हैं, उसी खेत में उगने वाले चारे को पशुओं को खिला रहे है उसे प्राप्त होने वाला दूध है वो एकदम शुद्ध ऑर्गेनिक है। इसी मुहिम के चलते उन्होंने अपनी डेयरी को एक फर्म का नाम दिया है जिसका नाम हंसमुख डेयरी फार्म गुणवत्ता की पहचान इसका रजिस्ट्रेशन भी करवा रखा है। भविष्य में जैसाराम अपने डेयरी में कम से कम 200 से लेकर 300 लीटर दुग्ध उत्पादन करने की सोच रहे हैं इसके लिए उन्होंने पशु चारे के रूप में अपने खेत के 2 बीघा में नेपियर घास लगा रखी है। इनका यह कहना है कि एक अच्छा व्यवसाय के रूप में डेयरी फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन करना बहुत आवश्यक है। लोग छोटी–छोटी गलतियां करके पशुपालन से नुकसान में रहते हैं लेकिन अगर वैज्ञानिक तरीके से और नए–नए आयामों के साथ पशुपालन किया जाए तो यह एक बहुत बड़े व्यापार के रूप में स्थापित किया जा सकता है।